न्य जा रहा है।

सरकार को बिजलीघरों को कोयला उपलब्ध कराने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करना चाहिए। ब्यूरो

क्लीन एयर एक्शन प्लान में सहयोग करेगा विश्व बैंक

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अग्रणी संस्थानों का भी लिया जाएगा सहयोग

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में तैयार किए जा रहे पहले एयरशेड आधारित यूपी क्लीन एयर एक्शन प्लान में विश्व बैंक तकनीकी सहयोग देगा। हालांकि सरकार इसमें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रमुख संस्थानों का भी सहयोग लेगी। प्लान को लेकर विश्व बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम और 15वें वित्त आयोग की ओर से निर्धारित वायु प्रदूषण लक्ष्यों को पूरा करने के लिए प्राथमिकता निर्धारित की जा रही है। जिससे वर्ष 2030 तक राज्यव्यापी वायु गुणवत्ता लक्ष्यों की पूर्ति के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि यूपी वायु प्रदूषण के प्रबंधन में भी देश के अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल बनने के लिए तैयार है। यहां बायो गैस, बायो-सीएनजी और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों से संबंधित पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा सकता है। गोवर्धन योजना और बुंदेलखंड क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की पायलट परियोजना को शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिला विश्व बैंक का प्रतिनिधिमंडल। -विज्ञप्ति

उन्होंने स्वच्छ ईंधन के विकल्प के तौर पर गोबर गैस रीफि लिंग की शोध परियोजना भी शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-वाहन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विश्व बैंक की ओर से पहले चरण में 17 अति प्रदूषित शहरों में ई-मोबिलिटी को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस अवसर पर विश्व बैंक की प्रमुख पर्यावरण विशेषज्ञ कैरिन शेपर्डसन, वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञ जोस्टिन नैगार्ड, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह और सचिव आशीष तिवारी मौजूद थे।